अधिनियम के आधीन जिन राज्यों ने लगभग जितना गेहूं और चावल उपलब्ध किया है, उसका एक विवरण इस प्रकार है :

विवरण

राज्य	लगभग परिमाण (मनों में)	
	गेहूं	चावल
१. मध्य प्रदेश .	७,७००	
२ पंजाब	८,६७,२००	
३. उत्तर प्रदेश	२५,६००	
४. पश्चिमी बंगाल .		२,६३,२००
५. राजस्थान	४०,६००	

उत्तर प्रदेश व बिहार में अन्तर्देशी जल परिवहन सेवायें

*२६८. { श्री भक्त दर्शन :
श्री श्रीनारायण दास:

क्या परिवहन तथा संचार मंत्री १ दिसम्बर, १६५८ के तारांकित प्रश्न सख्या ४३४ के उत्तर के सम्बन्ध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश व बिहार मे अन्तर्देशी जल परिवहन सेवाये फिर से चालू करने के बारे में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री राज बहादुर) : उत्तर प्रदेश और बिहार मे अन्तर्देशीय जल परिवहन सर्विस को फिर से जारी करने की योजना जो सरकार के विचाराधीन थी, वह आर्थिक कारणो और यातायात की मात्रा अनिश्चित होने के कारण चलने योग्य नहीं समझी गयी ।

उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच अन्तर्देशीय जल परिवहन के यातायात की मात्रा का निर्धारण करने के लिये यातायात सर्वेक्षण का इन्तजाम अप्लाइड इकनामिक रिसर्च की नेशनल कौंसिल की मार्फत हाल ही में किया गया है । चार पांच महीनों में इस सर्वेक्षण के परिणामों के मिल जाने की सम्भावना है । किस प्रकार की सर्विस यहां आवश्यक होगी यह उन परिणामों पर ही निर्भर होगा ।

तब तक के लिये गंगा ब्रह्मपुत्र जल परिवहन बोर्ड ने प्रयोगात्मक रूप मे बक्सर और राजमहल के बीच मे माल ढोने के लिये पुश-टग्रों द्वारा एक सर्विस चलाने का निश्चय किया है । यह सर्विस सम्भवत अप्रल, १६५६ के शुरू में चलने लगेगी ।

Nagarjunasagar Project

*299. { **Shri Nagi Reddy:**
Shri D. V Rao:

Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state.

(a) whether the Central Water and Power Commission has considered the full project with power scheme of the Nagarjunasagar Project presented by the Government of Andhra Pradesh;

(b) if so the decisions arrived at, and

(c) what are the salient points of difference between the scheme presented by the Government of Andhra Pradesh and the decision of the Centre?

The Minister of Irrigation and Power (Hafiz Mohammad Ibrahim): (a) The Andhra and Hyderabad Governments submitted in 1954 a joint report on the Nagarjunasagar Project which covered power development also and it was decided at an inter-State conference held in February, 1955 to proceed with the present project only No further proposals have since been received from the Andhra Pradesh Government

(b) and (c) Do not arise